आज का सुविचार

गुण किसी तुच्छ व्यक्ति से भी सीखे जा सकते है।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है..

संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 85 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 19 सितम्बर 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

बन्दी-प्रत्यक्षीकरण रिट क्या होती है जानिए-

सभी जानते हैं कि किसी भी गंभीर अपराध के आरोप में पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करती है और 24 घंटे के भीतर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करती है, लेकिन कभी-कभी ऐसा भी होता है कि पुलिस किसी को पकड़ कर ले जाती है और कोर्ट में पेश नहीं करती। ऐसी स्थिति में पीड़ित पक्ष क्या कार्रवाई कर सकता है, पढ़िए-

युवा प्रदेश समाचार पत्र

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

बन्दी-प्रत्यक्षीकरण रिट-

बंदी प्रत्यक्षीकरण का अर्थ होता है निरूद्ध या गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करवाना। जब किसी व्यक्ति को अवैध रूप से गिरफ्तार किया जाता है तब ऐसे व्यक्ति की स्वतंत्रता इसी रिट के माध्यम से सुरक्षित की जाती है। यह रिट किसी भी पुलिस अधिकारी, जेल अधिकारी या कोई भी प्राइवेट व्यक्ति के लिए निकली जा सकती है जिसने व्यक्ति को बन्दी बनाकर रखा हुआ है। अगर कोई व्यक्ति या अधिकारी इस रिट की आज्ञा का उल्लंघन करता है तो न्यायालय की अवमानना का दण्ड दिया जाएगा।

न्यायालय इस रिट के द्वारा-

1. गिरफ्तार करने वाले व्यक्ति से गिरफ्तारी का कारण पूछेगा।
2. गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश देगा।

उपर्युक्त विषय पर ही बन्दी प्रत्यक्षीकरण पर रिट याचिका जनहित वाद में प्रस्तुत की जा सकती हैं।

ये रिट याचिका कब दायर नहीं कि जा सकती है-

1. जब कोई व्यक्ति उस उच्च न्यायालय की अधिकारिता के भीतर निरूद्ध नहीं है तब।
2. कोई गिरफ्तार व्यक्ति किसी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया हो तब, अर्थात अपराध सिद्ध होने के बाद उसे बंदी बनाकर रख सकते हैं।
3. किसी अभिलेख न्यायालय अथवा संसद द्वारा अवमानना के लिए या कार्यवाही में हस्तक्षेप करने पर। बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट और भी विस्तृत हैं पर हमारा उद्देश्य आपको कम शब्दों में ज्यादा एवं सरल भाषा में जानकारी देना है?

कटनी प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाला है प्रमुख जिला : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कटनी जिले को दी लगभग 233 करोड़ लागत के विकास कार्यों की सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है। बदलते दौर में दुनिया के मंचों पर श्री मोदी का सम्मान प्रत्येक देशवासी का सम्मान है। देश तीसरी सबसे सशक्त अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने 75 वें जन्मदिवस पर बुधवार को जनजातीय अंचल धार में पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास कर मध्यप्रदेशवासियों को अनुपम सौगात दी है। इससे 6 लाख कपास उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। लगभग 3 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसी क्रम में आज कटनी के जनजातीय क्षेत्र को 233 करोड़ से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जीवन का एक-एक दिन देशवासियों की सेवा को समर्पित कर दिया है।

कटनी में दो सांदीपनि विद्यालयों का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी में 2 सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण कर विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों के भवन और सुविधाएं देखकर प्राइवेट स्कूल वाले भी दंग रह जाते हैं। देश के किसी राज्य में इतने अच्छे स्कूल नहीं बने जैसे सांदीपनि विद्यालय मध्यप्रदेश में बने हैं। पहले स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कल्पना करना भी मुश्किल था, अब बड़वारा में दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों की तरह स्कूल बनकर तैयार हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थी सांदीपनि आश्रम से शुरू हुई भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता का अनुसरण करें। मुख्यगमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय मांग पर दतला एवं सागौना जलाशय नहर के मरम्मत एवं गहरीकरण, बेलकुंड नदी पर स्थित गर्रा घाट पुल की ऊँचाई बढ़ाने के साथ ही खरहटा महानदी के जल लिफ्ट इरीगेशन के कार्यों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में हितलाभ वितरित किये।

बलिदान दिवस कार्यक्रम राजभवन में मना

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने जनजातीय महानायक राजा शंकरशाह-कुंवर रघुनाथशाह के बलिदान दिवस पर उनका पुण्य स्मरण किया। उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। बलिदान दिवस कार्यक्रम का आयोजन राजभवन के बेंक्वेट हॉल में गुरुवार को किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव सहित राजभवन के अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने भी क्रांतिवीरों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

छुट-पुट विवाद या छोटी-मोटी अपहानि करना अपराध है या नहीं जानिए

भाषा की अपूर्णता के कारण ऐसे अनेक कार्य है जो शाब्दिक दृष्टि से किसी अपराध के अंतर्गत आते हैं लेकिन उनके पीछे कोई आपराधिक भावना नहीं रहती हैं, अत: उन्हें अपराध मानना जनहित में नहीं होगा। अर्थात किसी दूसरे व्यक्ति का पेन उसकी मर्जी के बिना उठाना चोरी का अपराध हैं, किसी व्यक्ति के पास से तेज रफ्तार में कार से धूल उड़ाते हुए जाना रिष्टि का अपराध है, बस में या भीड़ वाले स्थान में पैर रखना या धक्का मुक्की होना चोट या छेड़छाड़ का अपराध हो सकता है लेकिन क्या इनके लिए आपराधिक कार्यवाही चलाना न्यायोचित होगा?

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 33, की परिभाषा: अगर कोई व्यक्ति छुट-पुट या छोटी-मोटी बातो को लेकर शिकायत करता है जो गंभीर (संज्ञेय) अपराध नहीं है तब ऐसा कृत्य धारा IPC की धारा 94 एवं BNS की धारा 33 के अंतर्गत अपराध नहीं होगा।

उधारानुसार वाद- सदानंद बनाम शिवकली हजारा: उपर्युक्त मामले में शिकायतकर्ता ने आरोपी के विरुद्ध धारा 506 के अधीन झूठ बोलने का आरोप लगाया था। इस वाद मे न्यायालय ने विनिश्चित किया कि विधि का यह एक प्राथमिक सिद्धांत है कि वह तुच्छ बातो(छुट-मुट बातों) की और ध्यान नहीं देती है। यदि कुछ शब्दों के कहने पर कोई व्यक्ति आपराधिक कार्यवाही की परेशानियों में पड़ जाए तो वर्तमान सभ्य समाज में लोगों का एक-दूसरे से आपसी संपर्क तथा मेल-जोल रखना ही दूभर हो जाएगा।

The Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 section 33, Punishment

नारायणन बनाम केरल राज्य - मामले ने न्यायालय ने भारतीय दण्ड संहिता की धारा 341 सदोष अवरोध के अपराध को तुच्छ अपहानि का अपराध मानते हुए आरोपी को बरी कर दिया क्योंकि सभ्य समाज मे छोटी-मोटी बातों को अपराध नहीं माना जाता है।

- लेखक बी.आर. अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

गूगल जेमिनी के नैनो टूल से बनी इमेज सोशल मीडिया पर शेयर करना कितना सुरक्षित?

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन
भोपाल मध्य प्रदेश

आजकल सोशल मीडिया पर हर कोई गूगल जेमिनी के नैनो बनाना टूल से बनी इमेज शेयर कर रहा है।लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसा करना सुरक्षित है? इंटरनेट पर जो चीज एक बार चली गई वो कभी खत्म नहीं होती। किसी भी ॅड्ढ टूल से तस्वीर बनाने से जुड़े सबसे बड़ा खतरा यह होता है कि आप अपनी डिजिटल पहचान पर कंट्रोल खो देते हैं।

एक डिजिटल पहचान किसी व्यक्ति, संगठन या डिवाइस का ऑनलाइन प्रतिनिधित्व करती है। सीधे शब्दों में कहें तो यह आपकी फोटो, यूजर नाम, पासवर्ड और अन्य पर्सनल डिटेल्स जैसे डेटा का एक सेट है। और जब हम अपनी यह जानकारी गुगल के साथ साझा करते हैं जो इस बात पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं होता कि हमारी इस जानकारी का वह कैसा उपयोग करेगा। हाल ही में एक ढ्ढक्क अधिकारी ने इसे लेकर यूजर्स को आगाह किया है।उन्होंने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि इंटरनेट पर चल रहे ट्रेंडिंग टॉपिक्स को लेकर सावधान रहें।अगर आप अपनी इंफोर्मेशन ऑनलाइन शेयर करते हैं तो स्कैम हो सकते हैं।एक ही क्लिक में आपका पैसा अपराधियों के हाथ में पहुंच

सकता है। अपनी फोटो या पर्सनल डिटेल कभी भी फर्जी वेबसाइट या अनअथॉराइज ऐप्स पर शेयर न करें। नैनो टूल फोटो की सुरक्षा को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। गूगल जेमिनी के नैनो बनाना फीचर का उपयोग करके लोग अपनी तस्वीरों को 3ष्ठ मॉडल या रेट्रो साड़ी लुक में बदल रहे हैं। इस फीचर के साथ सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं। हालांकि गूगल का दावा है कि जेमिनी पर अपलोड की गई तस्वीरें सुरक्षित सर्वर पर प्रोसेस होती हैं और यूजर की अनुमति के बिना किसी तीसरे पक्ष को नहीं दी जाती हैं। फिर भी, कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि वॉटरमार्क और मेटाडेटा टैग्स के बावजूद तस्वीरों का गलत इस्तेमाल हो सकता है। गूगल जेमिनी की तस्वीरों में अदृश्य डिजिटल वॉटरमार्क और मेटाडेटा टैग होते हैं, जो यह दर्शाते हैं कि तस्वीर ॅड्ढ से बनी है। हालांकि, एक्सपर्ट्स का कहना है कि इन वॉटरमार्क्स को हटाया या बदला जा सकता है। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि तस्वीरों को अपलोड करना या ॅड्ढ को प्राइवेट डेटा देना प्राइवेसी पर खतरा हो सकता है। सावधानियां बरतने के कुछ उपाय हैं। इन सावधानियों को बरतकर आप अपनी तस्वीरों की सुरक्षा और गोपनीयता को बढ़ा सकते हैं।जैसे अपनी तस्वीरों की गोपनीयता सेटिंग्स को मजबूत करें और मूल तस्वीरों की कॉपी सुरक्षित रखें। निजी या संवेदनशील तस्वीरें अपलोड करने से बचें और फोटो का मेटाडाटा जैसे लोकेशन और डिवाइस विवरण हटा दें। किसी भी प्लेटफॉर्म पर तस्वीरें डालने से पहले उसकी शर्तें ध्यान से पढ़ें, ताकि समझ सकें कि आपके फोटो का ॅड्ढ प्रशिक्षण या अन्य उपयोग के लिए अधिकार किसके पास रहेंगे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय की एनएसएस के छात्र - छात्राओं द्वारा रैली निकाली गई

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। दिनांक 17 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ इरा वर्मा मैडम के नेतृत्व में बालिका इकाई की स्वयं सेवक छात्राओं द्वारा गग्राम जासलपुर में छात्राओं की रैली निकाली प्राचार्य डॉक्टर रामकुमार चौक से जीने सेवा पखवारी का शुभारंभ करते हुए कहा की समाज सेवा से ही युवा विद्यार्थी अपने सफल जीवन तथा आधार शिला रखते हैं व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास समाज सेवा के द्वारा ही वर्तमान में संभव होते हैं छात्राओं मे किरण परिहार ने बालिका इकाई का नेतृत्व किया छात्राओं ने स्वच्छ भारत और स्वस्थ पर्यावरण के नारे लगाए कार्यक्रम में ग्राम जर पुल के सरपंच श्रीमती नीलू मेहरा श्री दीपक ने मेहरा पंचायत सचिव डॉक्टर नर्स ने भी भाग लिया एकीकृत माध्यमिक शालाओं की शिक्षकों ने भी भाग लिया बच्चों ने भी स्वच्छ भारत अभियान में सहयोग किया राष्ट्रीय सेवक आयोग की बालिकाओं ने ग्राम वासियों को स्वच्छता और स्वच्छ रक्षा के विभिन्न उपाय बताएं स्वच्छ रहकर ही हम स्वस्थ युवा का निर्माण कर सकते हैं छात्राओं ने प्राथमिक शाला जसलपुर की परिसर से पानी पाउच एवं पॉलीथिन भी नहीं तथा स्वच्छता का संदेश समाज को दिया कार्यक्रम में शिवानी अहिरवार पलक यादव और अर्पिता जाट राधिका यादव लक्ष्मी चौरे सुहानी यादव राखी खबरें रजनी परिहार मनीषा अनिल अंजलि दयम ना प्रीति सलोनी योगेश्वरी कुशवाहा भावना कोरिया खुशबू पालीवाल सिटी का दुबे शगुन गुप्ता हिमांगिनी पंकज कल में सुहानी यादव शबनम जायदा पराग इत्यादियों ने भाग लिया स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने भी भाग लिया।

पंचायत बुधवाड़ा में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम परिसर में पर्यावरण जागरूकता एवं गोद ग्राम की पंचायत बुधवाड़ा में पौधारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन प्राचार्य डॉ कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा महेंद्र कुमार पटेल ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में पर्यावरण संरक्षण की महत्ता को जागृत करना तथा स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण के निर्माण हेतु लोगों को प्रेरित करना था।मुख्य वक्ता श्री रविकुमार सहायक प्राध्यापक कामर्स शासकीय महाविद्यालय बुधनी द्वारा दिए गए व्याख्यान में इस तथ्य को रेखांकित किया गया कि वृक्ष पृथ्वी के जीवन-दाता हैं और उनके संरक्षण के बिना सतत विकास संभव नहीं है। विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु दैनिक जीवन में अपनाए जाने वाले सरल उपायों जैसे- प्लास्टिक का उपयोग कम करना, वर्षा जल संचयन, और ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित किया गया। व्याख्यान के पश्चात महाविद्यालय के नवीन परिसर में पौधारोपण किया गया।

Crime against women

लेखिका. साधना मिश्रा दिल्ली।

भारत आज 21वीं सदी में आधुनिकता की ओर बढ़ रहा हैलेकिन महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न अब भी गंभीर चिंता का विषय है,बलात्कार जैसे जघन्य अपराध केवल किसी एक महिला पर हिंसा नहीं हैं बल्कि यह पूरे समाज की चेतना और नैतिकता को झकझोर देते हैं! राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आँकड़े यह दर्शाते हैं कि बलात्कार के मामलों में निरंतर वृद्धि हो रही है! पीड़िता की चुप्पीलंबी न्यायिक प्रक्रिया और अपराधियों का प्रभाव—ये सभी कारण न्याय की राह में बाधक बनते हैं। ऐसे में कड़े और स्पष्ट कानून की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी सरकार ने 2023 में भारतीय न्याय संहिता (BNS) लागू कीट्ट जिसने पुराने भारतीय दंड संहिता IPC को प्रतिस्थापित किया है। BNS बलात्कार के प्रावधानों को और कठोर एवं स्पष्ट बनाया है। BNS की धारा 63 के अंतर्गत बलात्कार को परिभाषित किया गया है।

इसके अनुसार, यदि कोई पुरुष किसी महिला के साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध या उसकी सहमति के बिना शारीरिक संबंध स्थापित करता है तो यह अपराध की श्रेणी में आता है।

सजा का प्रावधान!

सामान्य परिस्थितियों में 10 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा! यदि अपराधी शिक्षक, डॉक्टर, पुलिसकर्मी या कोई अन्य व्यक्ति है, जो विश्वास एवं जिम्मेदारी की स्थिति में है, तो उसे कठोरतम दंड दिया जा सकता है/ नाबालिग पीड़िताओं के मामलों में विशेष कानून (POCSO Act) लागू होते हैं, जिनमें 20 वर्ष से लेकर मृत्युदंड तक का प्रावधान है। इन प्रावधानों से यह स्पष्ट संदेश जाता है कि महिलाओं की गरिमा पर हमला किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। परंतु केवल कठोर कानून बना देना ही समाधान नहीं है। आज आवश्यकता है कि फास्ट ट्रैक अदालतों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि पीड़िताओं को शीघ्र न्याय मिल सके पुलिस तंत्र को संवेदनशील और जवाबदेह बनाया जाए। समाज में जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, ताकि महिलाओं की सुरक्षा केवल सरकारी जिम्मेदारी न होकर सामाजिक दायित्व भी बने।

झूठे मामलों की रोकथाम के लिए भी तंत्र विकसित किया जाए, जिससे न्याय की प्रक्रिया निष्पक्ष बनी रहे। बलात्कार पीड़िता के साथ केवल शारीरिक हिंसा नहीं होती, बल्कि उसकी आत्मा, आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान को भी गहरी चोट पहुँचती है। इसलिए यह अपराध व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक संकट है। आज आवश्यकता है कि क़ानून की सख्ती और समाज की संवेदनशीलता साथ-साथ चले। तभी हम एक ऐसा भारत बना पाएँगे जहाँ महिलाएँ भयमुक्त होकर आगे बढ़ सकें और संविधान में दिए गए समानता और गरिमा के अधिकार का वास्तविक लाभ उठा सकें।

मानवता की सेवा के लिये रक्तदान आवश्यक उप मुख्यमंत्री दामोदर युवा संगठन के रक्तदान शिविर में हुए शामिल

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि गंभीर मरीजों को समय पर रक्त मिल सके इसके लिये जरूरी है कि समाज में रक्तदान करने के लिये जगरूकता कार्यक्रम चलाए जायें। उन्होंने कहा? कि युवा वर्ग को इस कार्य के लिये प्रोत्साहित किये जाने की जरूरत है। उप मुख्यमंत्री मंगलवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन में दामोदर युवा संगठन के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ने रक्तदान करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार अपने साधनों से बेहतर से बेहतर कार्य करने का प्रयास कर रही है। इस क्षेत्र में सेवा के विस्तार के लिये स्वयं सेवी संगठनों की अधिक से अधिक मदद की जरूरत है। उन्होंने 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाये जाने वाले सेवा पखवाड़ा की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री पी. नरहरि ने अपने संबोधन में कहा? कि प्रत्येक व्यक्ति समाज की भलाई के लिये मन में भाव रखता है, लेकिन इस भाव को स्वयं सेवी संगठनों से जुड़कर पूरा किया जा सकता है।दामोदर युवा संगठन के संस्थापक अशोक नायक ने बताया कि इंदौर में देश का निन्शुल्क ब्लड कॉल सेंटर है। जहाँ देश के किसी भी स्थान से फोन आने पर संगठन द्वारा मरीज को निन्शुल्क ब्लड उपलब्ध कराये जाने का प्रयास किया जाता है। संगठन से देशभर के 4 लाख युवा जुड़े हुए है। संगठन ने अभी तक 2 लाख जरूरत मंदों को निन्शुल्क ब्लड उपलब्ध कराया है। उन्होंने बताया कि रियर ब्लड ग्रुप ओ बॉम्बे पॉजिटिव जिसके दानदाता देशभर में 180 है। इस ग्रुप का ब्लड भी 5 जरूरत मंदों को उपलब्ध कराया गया है। संगठन के 2 हेल्प लाइन नबंर 92002-50000 और 70245-12345 है।

घर से लापता महिला की कुएं में मिली आठ दिन पुरानी लाश, जयसिंहनगर की घटना, जांच शुरू

संभागीय संवाददाता -राजू राय

शहडोल। घर से लापता महिला का शव कुएं में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है , लाश लगभग 8 दिन पुरानी बताई गई है। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अपनी पड़ताल शुरू कर दी है। जब महिला घर से लापता हुई थी, तो परिजनों ने पुलिस से मामले की शिकायत दर्ज कराई थी, पुलिस ने मामले में गुम इंसान दर्ज कर लापता महिला की तलाश में जुटी थी।घटना जयसिंहनगर थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के भटीगंवा खुर्द गांव की रहने वाली महिला सावित्री पति बृजभान सिंह (32) का शव उसके घर से लगभग पांच किलोमीटर दूर स्थित सरवारी गांव में एक कुएं में मिला है। पुलिस के अनुसार सावित्री 8 सितंबर से घर से लापता थी। जिसके बाद से परिजन महिला की तलाश कर रहे थे। परिजनों ने महिला के लापता होने की जानकारी पुलिस को दी थी। पुलिस ने गुम इंसान दर्ज कर विवेचना शुरू कर लापता महिला की तलाश शुरू की। बुधवार शाम को पुलिस को जानकारी मिली कि सरवारी गांव में स्थित एक कुएं में लगभग आड़ दिन पुरानी लाश मौजूद है,जो महिला की है।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया और उसकी पहचान करवाई गई थी।कपड़े एवं अन्य वस्तुओं से शव की पहचान सावित्री के रूप में हुई है। जो घर से लापता थी। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर आगे की जांच कर रही है,पुलिस ने मामले पर मर्ग कायम किया है। और अपनी पड़ताल शुरू की है,पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता लग सकेगा। फिलहाल जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार महिला की दीमकी हालत कुछ कमजोर थी।

आडंबर और पाखंड पर तीखा प्रहार करने वाले महानायक थे पेरियार: दामोदर सिंह यादव

बाबा साहब का अपमान करने वालों पर चले देश द्रोह का मुकदमा - डी. पी. एस. एस.

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। सामाजिक न्याय का आंदोलन सदियों से चलता जा रहा है और धीरे धीरे ही सही लेकिन परिवर्तन भी आ रहा है। यह सब देन जिन महापुरुषों की है उनमें से बेहद महत्वपूर्ण शक्स थे वह ई. व्ही. रामास्वामी पेरियार जी जिन्होंने पाखंड और अंधविश्वास पर ज्यादा तीखा हमला भी किया। तथा इतिहासिक आंदोलन भी चलाया। उक्त बात दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल में बिट्न मार्केट स्थित महात्मा फुले भवन में उनकी जयंती कार्यक्रम के अवसर पर कहीं। यादव ने कहा कि हम यह शपथ लेते हैं कि पेरियार

के विचारों और संघर्ष को जन जन पहुंचाने के लिए सम्पूर्ण प्रदेश में विचार विस्तार कार्यक्रम चलायेंगे। भोपाल के बाद जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर सहित सभी जिला मुख्यालय पर कार्यक्रम करके पेरियार व ललाई सिंह के विचारों से अवगत करायेंगे और अपने आंदोलन को और मजबूत करेंगे। यादव ने कहा कि 2014 में जब से मोदी सरकार केंद्र में बनी तभी से तथाकथित कथावाचकों और स्वयं को जगत गुरु मानते हुए ऐसी बाबाओं की बाढ़ सी आ गई है। सभी ने अपने अपने सिंगल एजेण्डा तैयार कर भारतीय संविधान नकारो, बाबा साहब को अपमानित करो व भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का नारा देकर झूठी दुकान चलाने का काम चरम सीमा पर कर जनता को मूर्ख बनाने की ही दिशा में काम किया जा रहा है। अभी हाल में ही दो दिन पूर्व रामभद्राचार्य, ने किसी इंटरव्यू में कहा कि बाबा साहब को संस्कृत नहीं आती थी संविधान भी उन्होंने नहीं लिखा था एवं उन्होंने मनुस्मृति जलाकर पाप किया है। इस प्रकार की टिप्पणी कर देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुँचाते हुए। संविधान का भी अपमानित किया गया है।

भारत रत्न बाबा साहब का अपमान करने वालों पर एफआईआर हो और राष्ट्र द्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। इस अवसर पर दलित पिछड़ा समाज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बलबहादुर बघेल ने कहा कि मुझे गर्व है कि पेरियार जैसे महापुरुष ने मेरी जाति में जन्म लिया इस नाते वह मेरे पूर्वज है यह बात मुझे मेरी समाज जनों तक पहुंचानी है।

इस अवसर पर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित बंसोड़, अमोल रावत, महासचिव कमल कुशवाहा, सुनीता धावरे, अमित लोधी, सौरभ यादव, संजीव खेरवार, भोपाल जिला अध्यक्ष दिलीप मस्के, जितेंद्र अहिरवार, सरदार सहित विभिन्न समाजसेवी , पत्रकार गण एवं सैकड़ों की संख्या में महिलाओं व पुरुषों ने जयंती में शामिल होकर महामानव पेरियार जी को नमन किया गया। सभी लोगों को ने रैली के रूप में जाकर पुलिस को एक ज्ञापन सौंपा एवं अंत में सभी को भोजन कराने के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

उमंग सिंघार ने जाना वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रेम कुमार त्रिपाठी का हाल, कांग्रेस संगठन को मजबूत करने पर हुई चर्चा

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

अनूपपुर। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माननीय उमंग सिंघार अपने अनूपपुर प्रवास के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश सचिव पंडित प्रेम कुमार त्रिपाठी के निवास पर पहुँचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने त्रिपाठी जी से कांग्रेस की वर्तमान स्थिति और संगठन को और मज़बूत बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। चर्चा के दौरान पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को, कोतमा के पूर्व विधायक सुनील सराफ तथा पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सिंह भी मौजूद रहे। उमंग सिंघार का स्वागत त्रिपाठी जी की धर्मपत्नी एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती उषा त्रिपाठी, पुत्र एवं कांग्रेसी नेता आशीष त्रिपाठी तथा बहू, वार्ड क्रमांक 7 की पार्षद डॉ. प्रवीण आशीष त्रिपाठी ने तिलक लगाकर किया। परिवार ने उनके संघर्षों को सफल परिणति मिलने की ईश्वर से प्रार्थना की। चर्चा के दौरान कांग्रेस नेताओं ने पंडित त्रिपाठी जी से मार्गदर्शन प्राप्त कर जिले में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। उमंग सिंघार ने भी त्रिपाठी जी से जिला कांग्रेस कमेटी को समय-समय पर मार्गदर्शन देने का निवेदन किया। यह मुलाक़ात न केवल एक संवेदनशील पहल रही बल्कि इसने कांग्रेस संगठन के उत्थान के लिए नए उत्साह और विश्वास का संचार भी किया।

परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया का वड़ा एलान बिहार में 243 विधानसभा सीटों पर लड़ेगी चुनाव

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। बिहार पटना - परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोनू महेन्द्र सिंह रावत ने बिहार की राजधानी पटना में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारों का सम्मान करते पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया और उसी दौरान एक बड़ी घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया बिहार के युवाओं को बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर चुनावी मैदान में उतार कर बिहार के युवाओं के हाथों में बिहार की सत्ता देने का काम करेगी और उन्होंने कहा कि अभी तक बिहार के युवाओं और महिलाओं को प्रदेश की और सभी पार्टीयों ने नजर अंदाज करने काम किया है अब परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय लिखने जा रही है अब प्रदेश के युवाओं को देश के अन्य राज्यों में रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें नहीं खाना पड़ेगी अब बिहार के युवा प्रदेश की सरकार का हिस्सा बनेंगे और बिहार को विकास के उच्चतम शिखर पर ले जाएंगे।

इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अतर सिंह भारतीय राष्ट्रीय बिहार प्रभारी सुधीर सिंह प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बिहारी युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र कुमार वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रदेश लीगल एडवाइजर गणेश चौधरी व पार्टी कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

आउटसोर्स कर्मियों को निर्धारित तिथि में मिलेगा वेतन समय पर वेतन नहीं मिलने पर हेल्प लाइन नंबर पर होगी शिकायत

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मध्यप्रदेश श्रम विभाग ने आउटसोर्स कर्मियों के हित में समय पर वेतन दिलाने की पहल की है। इसके लिए विभाग ने एक व्हाट्सअप नंबर भी जारी किया है। श्रम विभाग के अपर सचिव बसंत कुर्रे ने बताया है कि शासकीय कार्यालयों, निगमों मंडलों और प्राधिकरणों में अगर 1000 से कम आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं तो उन्हें भुगतान 7 तारीख तक किया जाना अनिवार्य है। इसी तरह 1000 से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी होने पर उन्हें माह की 10 तारीख तक वेतन का भुगतान किया जाना अनिवार्य है। किसी भी आउटसोर्स कर्मचारी को निर्धारित समय सीमा में वेतन भुगतान न होने की स्थिति में शासन द्वारा संचालित व्हाट्सअप नंबर 07552555582 पर कर्मचारी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

तपती दोपहरी

सांय-सांय सनन पवन सरपट है दौड़ती
जानलेवा हो गई मानो पछुआ बयार
दुबक गए जल्दी सभी अपने आशियाने में
देख कातिल जैसी बढ़ी लू की प्रचंड प्रहार ।
खिड़की,दरवाजे बंद हो गए सभी
सूनी-सूनी हो गई सड़कें और गलियां
चम चमाती धूप और नाचती अंखियां
बरसते आग के गोले और उसकी चिंगारियां
शुष्क है वातावरण तपन से व्याकुल है धरा
त्राहिमाम कर रहे लोग मनुज सोच जरा
न मिलती छाया,न दिखते पीपल,बरगद के पेड़
उष्णता झेल रहे बच्चे बूढ़े और अधेड़
उड़ते धूल,चलतीआंधियां,धुंध हैं छाए
चाहत रिमझिम बूंदों की,जल्दी से मेघ आए
चिन-चिनाते तन,पसीने से तर बतर बदन
असह्य पीड़ा बढ़ाती ये सूरज की तपन
प्रकृति का नियम है हर चक्र बदलता मौसम
कभी है शीत,तो कभी वर्षा,ग्रीष्म का सीजन
पतझड़ बाद होता फिर से प्रकृति का नवसृजन
शीतलता से मिलती नया जन- जीवन।
भीम कुमार
नगवां, गावां,गिरिडीह,झारखंड

रहे आरक्षक की मौत

थियों मौजूदगी, में दहशत

अपना मूल धर्म बदल चुके वनांचल के 70 लोगों ने सनातन में की वापसी

कवर्धा @ पत्रिका. पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया विधानसभा में निरंतर सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार से लेकर आदिवासी व वनवासी संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं।

जमीनी स्तर पर उनके इन प्रयासों से वनांचल क्षेत्रों में निवास करने वाले जनजाति परिवारों को लाभ मिल रहा है, तो वहीं आज पंडरिया विधानसभा में भोले-भाले जनजाति समाज के लोगों को प्रलोभन देकर धर्मान्तरण कराने वालों पर कड़ा प्रहार हुआ है। पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में निवासरत 70 लोगों की आज घर वापसी हुई। विधायक भावना बोहरा ने विशेष पिछड़ी जनजाति छात्रावास मैदान, कुई-कुकदुर में सेवा दिवस के अवसर पर आयोजित संस्कृति गौरव सम्मान एवं अभिनंदन समारोह में ग्राम झूमर, बोहिल, आगरपानी, नेउर और छिंदीडीह के 70 जनजाति समाज के लोगों के पैर पखारकर अभिनंदन एवं स्वागत कर उन्हें मूल धर्म में वापसी कराया। इस दौरान पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अभियान की जानकारी एवं जागरूकता के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आज प्रधानमंत्री के युगांतकारी निर्णयों व जनकल्याणकारी नीतियों के माध्यम से देश की मातृशक्ति, सैन्यशक्ति, युवाशक्ति, आदिवासी समाज और कृषक बंधुओं के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्य विकसित भारत के संकल्प को मज़बूती प्रदान कर रहे हैं।

इनसाइड जैकेट का शेष

आदिवासी मन के घर वापसी,
आदिवासी घर मा होना चाही।
आदिवासी उंखर मूल धरम हे,
दुसर धरम मा काबर जाही।।
नहीं सनातन,ना हि हिन्दू,
आदि धरम हे आदिवासी के।
घर वापसी के नाम मा उन ला,
फंदा झन दो फांसी के।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ.ग.)

उदयपुरा में किसानों का फूटा गुस्सा, चार घंटे तक ठप रहा हाईवे हजारों वाहन फंसे, प्रशासन के हाथ-पाँव फूले

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। तीन दिन से यूरिया के लिए भटक रहे किसानों का सब्र आखिरकार जवाब दे गया। लंबे समय से टोकन लेकर तहसील के चक्कर काट रहे किसानों को जब खाद नहीं मिली तो उन्होंने आज एकजुट होकर बड़ा कदम उठाया। देखते ही देखते सैकड़ों किसान राष्ट्रीय राजमार्ग पर उतर आए और टोल गेट के सामने जाम लगा दिया। किसानों के रोष का आलम यह रहा कि भोपाल से जबलपुर और जबलपुर से भोपाल आने-जाने वाला पूरा ट्रैफिक थम गया। हजारों की संख्या में वाहन फँस गए और यात्रियों को घंटों तक गर्मी और परेशानी झेलनी पड़ी। पूरे चार से पाँच घंटे तक हाईवे पूरी तरह बंद रहा। स्थिति बिगड़ती देख प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुँचे। अफसरों के

हाथ-पाँव फूल गए और भारी मशक्कत के बाद किसानों को समझाइश दी गई। अंततः किसानों की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि अगले तीन दिन के भीतर हर किसान को 10-10 बोरी यूरिया उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशासन की गारंटी के बाद ही किसानों ने चक्का जाम खत्म किया। लेकिन इस आंदोलन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब किसानों का धैर्य टूटता है तो पूरा सिस्टम हिलकर रह जाता है।

सीनियर सेक्शन इंजीनियरिंग (रेल पथ) कार्यालय अनूपपुर में भगवान विश्वकर्मा का पूजन

मूर्ति स्थापना, श्रद्धा और उत्साह के बीच भव्य भंडारे का आयोजन

कैलाश कुमार- सह संपादक (युवा प्रदेश)

अनूपपुर। श्रमिकों और कारीगरों के आराध्य देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती बुधवार को जिलेभर में श्रद्धा, आस्था और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इसी क्रम में सीनियर सेक्शन इंजीनियरिंग (रेल पथ) कार्यालय अनूपपुर में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं एवं रेलकर्मियों ने यंत्रों, मशीनों और उपकरणों की पूजा कर कार्यक्षेत्र में उन्नति और तरक्की की कामना की। पूरे नगर और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर भक्तिमय माहौल रहा। पूजन के उपरांत 18 सितंबर को भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या रेल कर्मचारी व नगर भक्तजन परिवार सहित पहुंचकर भगवान श्री विश्वकर्मा जी को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया, भगवान श्री विश्वकर्मा जी के पूजन व भंडारे में रेलवे मजदूर कांग्रेस के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, रेलवे अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय श्रद्धालु सम्मिलित हुए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विश्वकर्मा को आदि शिल्पी, प्रथम अभियंता और वास्तु देव माना जाता है। वे सोने की लंका, द्वारका और इंद्रपुरी जैसे पौराणिक नगरों के निर्माता भी माने जाते हैं।

आयोजन समिति का योगदानः इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में सीनियर सेक्शन इंजीनियर इंचार्ज (रेल पथ) अनुपम कुमार तिवारी, जूनियर इंजीनियर (रेल पथ) केदारनाथ साहू, कार्यालय अधीक्षक सिराज अहमद मंसूरी, ललन कुमार सिन्हा, संतोष पनगरे, एस संजीव राव, शंकर लाल राठौर अमलाई एवं अनूपपुर के समस्त ट्रैक मेन्टेनर तथा समस्त रेलकर्मचारियों का अभूतपूर्व सहयोग रहा।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच आयोजन पर शिवसेना नेता अरुण पांडे का कड़ा विरोध

बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों का स्मरण

जगदलपुर। शिवसेना के वरिष्ठ नेता श्री अरुण पांडे ने प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, तथा रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी को स्पष्ट शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि देश की सुरक्षा और शहीदों की भावना को ठेस पहुँचाते हुए भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का आयोजन राष्ट्रविरोधी कदम है। श्री अरुण पांडेय ने बालासाहेब ठाकरे जी के विचारों का उदाहरण देते हुए कहा बालासाहेब ठाकरे हमेशा कहते थे ङ्क देश की संप्रभुता और सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। देशभक्ति का अर्थ है हर परिस्थिति में मातृभूमि की रक्षा करना। बालासाहेब जी के इसी आदर्श के तहत शिवसेना ने हमेशा देश के खिलाफ हो रहे हर षड्यंत्र का विरोध किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलवामा, उरी, और लेह जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा भारतीय जवानों और नागरिकों पर की गई हरकतें देशवासियों की

आत्मा को झकझोर देने वाली हैं। ऐसे समय में जब हमारे बहादुर सैनिक पाकिस्तान से आने वाली हर चुनौती से देश की रक्षा कर रहे हैं, उसी पाकिस्तान के साथ खेल का आयोजन करना न केवल शर्मनाक है, बल्कि यह राष्ट्रविरोधी कार्य है।

श्री अरुण पांडेय ने कहा- बालासाहेब ठाकरे ने सदैव राष्ट्र के सम्मान, सुरक्षा और गौरव को सर्वोपरि रखा। हम भी उनके आदर्शों को मानते हुए पूरे देश के नागरिकों के साथ मिलकर सरकार से यह मांग करते हैं कि तत्काल प्रभाव से भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को रद्द किया जाए। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया देश के जवान, देशवासियों की भावनाएं और शहीदों का बलिदान हमें हमेशा याद रखना चाहिए। इस प्रकार के आयोजन से देश की एकता और राष्ट्रीय गौरव पर बट्टा लगता है। शिवसेना नेता अरुण पांडे यहं सुनिश्चित करेंगे कि देशभक्ति की अलख कभी मंद न हो, और हर देशवासी इस प्रकार की राष्ट्रविरोधी हरकतों के खिलाफ जागरूक बना रहे।

अरुण पांडेय

प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य प्रदेश में किया स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान समेत विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को धार जिले की बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने यहां पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास किया साथ ही राष्ट्रीय स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार महाअभियान, आठवें राष्ट्रीय पोषण माह, आदि सेवा पर्व का शुभारंभ कर सुमन सखी चैटवॉट को लाँच किया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत देशभर की 15 लाख से अधिक महिला हितग्राहियों को 450 करोड़ रूपए से अधिक की प्रसूति सहायता राशि सिंगल क्लिक के जरिए उनके खाते में अंतरित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी नारी शक्ति राष्ट्र की प्रगति का मुख्य आधार है। घर में मां ठीक रहे, तो पूरा घर ठीक रहता है। मां बीमार हो जाए, तो पूरे परिवार की व्यवस्थाएं चरमरा जाती हैं। इसीलिए स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान माताओं बहनों के उज्ज्वल भविष्य को समर्पित है। हमारी कोशिश है कि एक भी महिला गंभीर बीमारी का शिकार न हो। कई बीमारियों की जांच नहीं होने पर जान का खतरा हो जाता है और इन्हें शुरुआती दौर में पहचानना जरूरी है। इस अभियान में स्वास्थ्य शिविर लगाकर बीपी, शुगर, कैंसर जैसी बीमारियों की जांच की जाएगी। माताओं-बहनों ने मुझे बहुत कुछ दिया है, मुझ पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें। प्रधानमंत्री ने माताओं-बहनों से अपील करते हुए कहा कि वे बिना किसी संकोच के इन स्वास्थ्य शिविरों में जांच जरूर कराएं। इन सभी शिविरों में महंगी से महंगी जांच मुफ्त होगी और दवाइयां भी मुफ्त मिलेंगी। उन्होंने कहा कि नारियों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। आने वाले समय में आयुष्मान कार्ड का सुरक्षा कवच बड़े काम आएगा। यह अभियान 2 अक्टूबर विजय दशमी तक निरंतर चलेगा। माताएं-बहनें थोड़ा समय अपने स्वास्थ्य के लिए भी निकालें। अभियान में लाखों कैंप लगेंगे। आज से ही बड़ी संख्या में जांच शुरू हो गई हैं। कोई मां-बेटी जांच से छूट न जाए, हम सभी को यह संकल्प लेना होगा।

सहरिया आदिवासी जाति विशेष पिछड़ी जनजाति में है सुविधाओं से वंचित करने वाले और सतत सर्वे नहीं करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए

सहरिया आदिवासी समुदाय के एक सैकड़ा लोग जिसमें पुरूष औरत एवं बच्चे भी थे यह लोग गिरवाई वार्ड क्रमांक 65 अलीपुर पुर नगर ग्वालियर अपनी शिकायत को लेकर ग्वालियर कलेक्टर मंगलवार जनसुनवाई में आए हुए थे लेकिन कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर फोर्स ने उन्हें रोक लिया उन्हें अंदर नहीं जाने दिया इस पर वह भरी दोपहरी में कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर 3 घंटे शांतिपूर्ण ढंग से बैठकर अपनी समस्या के समाधान के लिए कलेक्टर महोदया से गुहार लगा रहे थे। इसी समय दलित आदिवासी महापंचायत के संस्थापक संरक्षक डॉ जवर सिंह अग्र एवं प्रांतीय अध्यक्ष महेश मदुरिया ने समस्या समाधान के लिए बिजली विभाग के जनसुनवाई में उपस्थित अधिकारियों तथा तहसीलदार से संपर्क कर समस्या हल करने के लिए इनका आवेदन दिया इस पर अधिकारियों ने तुरंत समस्या समाधान के लिए उपस्थित सहरिया आदिवासी समुदाय के लोगों को भरोसा दिलाया कि शासन से जो आदिवासियों को मिलने वाली विद्युत विभाग की योजना के अनुसार तत्काल 24 घंटे में कनेक्शन दिए जाएंगे तथा उपस्थित पटवारी एवं तहसीलदार ने रोड बनाने के लिए भी आश्वासन दिया। उक्त नेताओं ने चर्चा में अधिकारियों से कहा की मध्य प्रदेश में बैग बारिया सहरिया विशेष पिछली जनजाति में आती है आपको ज्ञात होगा कि पिछले बार इसी कलेक्ट पर 14 दिन का धरना दिया गया था इसी प्रकार के मुद्दे थे जिसमें आदमी जाति कल्याण विभाग के पृष्ठ अधिकारी कर्मचारियों को निलंबित करने का भी मुद्दा था वही स्थिति अब बन रही है इन तीनों जातियां का निरंतर सर्वे करने का प्रावधान है शासन के स्पष्ट आदेश है फिर भी जिम्मेदार अधिकारी इस कार्य को करते हुए सहरिया आदिवासियों को सुविधाओं से वंचित किए हुए हैं भ्रष्टाचार में आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारी मस्त है जिसे आप रोज सोशल मीडिया के माध्यम से देख रहे हैं सभी सहरिया जातियों का निरंतर सर्वे किया जाए और मूलभूत सुविधाओं से वंचित करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए आयुक्त ग्वालियर में तथा आयुक्त चंबल ने एक तत्कालीन प्रभारी सहायक आयुक्त एवं एक वर्तमान प्रभारी सहायक आयुक्त के खिलाफ अनुशासन कार्रवाई करने का प्रस्ताव प्रमुख सचिव जनजाति कार्य विभाग को भेज दिया है।

आडंबर और पाखंड पर तीखा प्रहार करने वाले महानायक थे पेरियारः दामोदर सिंह यादव

बाबा साहब का अपमान करने वालों पर चले देश द्रोह का मुकदमा - डी. पी. एस. एस.

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। सामाजिक न्याय का आंदोलन सदियों से चलता जा रहा है और धीरे धीरे ही सही लेकिन परिवर्तन भी आ रहा है। यह सब देन जिन महापुरुषों की है उनमें से बेहद महत्वपूर्ण शक्स थे वह ई. व्ही. रामास्वामी पेरियार जी जिन्होंने पाखंड और अंधविश्वास पर ज्यादा तीखा हमला भी किया। तथा इतिहासिक आंदोलन भी चलाया। उक्त बात दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल में बिट्न मार्केट स्थित महात्मा फुले भवन में उनकी जयंती कार्यक्रम के अवसर पर कहीं। यादव ने कहा कि हम यह शपथ लेते हैं कि पेरियार के विचारों और संघर्ष को जन जन पहुंचाने के लिए सम्पूर्ण प्रदेश में विचार विस्तार कार्यक्रम चलायेंगे। भोपाल के बाद जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर सहित सभी जिला मुख्यालय पर कार्यक्रम करके पेरियार व ललाई सिंह के विचारों से अवगत करायेंगे और अपने आंदोलन को और मजबूत करेंगे। यादव ने कहा कि 2014 में जब से मोदी सरकार केंद्र में बनी तभी से तथाकथित कथावाचकों और स्वयं को जगत गुरु मानते हुए ऐसी बाबाओं की बाढ़ सी आ गई है। सभी ने अपने अपने सिंगल एजेण्डा तैयार कर भारतीय संविधान नकारो, बाबा साहब को अपमानित करो व भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का नारा देकर झूठी दुकान चलाने का काम चरम सीमा पर कर जनता को मूर्ख बनाने की ही दिशा में काम किया जा रहा है। अभी हाल में ही दो दिन पूर्व रामभद्राचार्य, ने किसी इंटरव्यू में कहा कि बाबा साहब को संस्कृत नहीं आती थी संविधान भी उन्होंने नहीं लिखा था एवं उन्होंने मनुस्मृति जलाकर पाप किया है। इस प्रकार की टिप्पणी कर देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुँचाते हुए। संविधान का भी अपमानित किया गया है। भारत रत्न बाबा साहब का अपमान करने वालों पर एफआईआर हो और राष्ट्र द्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। इस अवसर पर दलित पिछड़ा समाज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बलबहादुर बघेल ने कहा कि मुझे गर्व है कि पेरियार जैसे महापुरुष ने मेरी जाति में जन्म लिया इस नाते वह मेरे पूर्वज है यह बात मुझे मेरी समाज जनों तक पहुंचानी है। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित बंसोड़, अमोल रावत, महासचिव कमल कुशवाहा, सुनीता धावरे, अमित लोधी, सौरभ यादव, संजीव खेरवार, भोपाल जिला अध्यक्ष दिलीप मस्के, जितेंद्र अहिरवार, सरदार सहित विभिन्न समाजसेवी , पत्रकार गण एवं सैकड़ों की संख्या में महिलाओं व पुरुषों ने जयंती में शामिल होकर महामानव पेरियार जी को नमन किया गया। सभी लोगों को ने रैली के रूप में जाकर पुलिस को एक ज्ञापन सौंपा एवं अंत में सभी को भोजन कराने के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

अब नहीं चलेगी गुंडो की गुंडागर्दी हर मानव स्वतंत्र है नहीं सहेंगे दलित अपमान

दलित युवक से नीला गमछा उतरवाने की गुंडागर्दी मे चार दबंगो पर एससी एसटी के तहत मुकदमा दर्ज

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

बरेली। बरेली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सर्रा में दलित युवक से नीला गमछा उतरवाने का विवाद सामने आया है। पीड़ित सोनू अहिरवार पिता शिवदिन ने थाना बरेली में शिकायत दर्ज कराई कि ग्राम के ही सुरजीत, हरिओम, कल्लू और राजेश (सभी राजपूत समाज) ने दबंगई करते हुए उसके गले में पड़े नीले गमछे को उतारने के लिए कहा। पीड़ित द्वारा इनकार करने पर आरोपियों ने घर आकर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गालियां दी और जान से मारने की धमकी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी बरेली ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों के विरुद्ध धारा 296, 351, 125 तथा एससी-एसटी एक्ट की धाराओं 3(1) (द), 3(1) (घ), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। घटना के बाद ग्राम में तनाव की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया, जिससे शांति का माहौल बना हुआ है। इसी मुद्दे को लेकर भीम आर्मी अध्यक्ष जिला संयोजक राकेश अंबेडकर के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता थाना बरेली पहुंचे और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

बरेली थाना प्रभारी कपिल गुप्ता का कहना है: चारों आरोपियों को एससी एसटी की धारा में गिरफ्तार किया गया है किसी भी प्रकार की अभद्रता या गुंडागर्दी किसी के भी साथ में नहीं बर्दाश्त किया जा सकता सूचना मिलने पर ही तत्काल उचित कार्रवाई आरोपियों के विरुद्ध की जाएगी जिसमें किसी भी प्रकार से कोई समझौता नहीं होगा क्षेत्र में शांति का माहौल बना रहा है।

तत्काल प्रकाशन हेतु

विषय-आदिवासी छात्रा को काले कपड़े पहनने के कारण भर्ती परीक्षा में बैठने से रोके जाने की कड़ी निंदा एवं उचित कार्रवाई की मांग

जगदलपुर, छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में आयोजित एक भर्ती परीक्षा के दौरान अत्यंत दु:खद और संवेदनशील घटना सामने आई। एक आदिवासी छात्रा को केवल इसलिए परीक्षा में बैठने से रोका गया क्योंकि उसने काले रंग के कपड़े पहने थे। यह निर्णय न केवल उसकी गरिमा का हनन है, बल्कि बस्तर क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य के साथ भी खिलवाड़ है। शिवसेना के प्रदेश नेता श्री अरुण पांडेय ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा, इस छात्रा को परीक्षा में बैठने से रोकने के बजाय उसके पहनावे की व्यवस्था करवाई जा सकती थी। परीक्षा का उद्देश्य योग्य उम्मीदवारों का चयन करना होना चाहिए, अपमानित करना नहीं। भर्ती परीक्षा आयोजकों को महिला बाल विकास अधिकारी से सहायता लेनी चाहिए थी ताकि उचित कपड़े की व्यवस्था हो पाती। उन्होंने स्पष्ट किया कि, ऐसे अन्याय के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्यवाही की आवश्यकता है। दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाने चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। बस्तर क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले हर प्रयास का हम पुरजोर विरोध करते हैं।

विशेष आग्रह-

शिवसेना ने उस परीक्षार्थी बालिका से विशेष रूप से अनुरोध किया है कि आप इस विषय में अपने जिले के कलेक्टर से पत्राचार अवश्य करें। यह कदम न केवल आपके व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा करेगा, बल्कि सभी आदिवासी बहनों के लिए एक मिसाल बनेगा। आपका साहस और आवाज़ अन्याय के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संपर्क सूत्र
अरुण पांडेय
शिवसेना प्रदेश नेता, छत्तीसगढ़

मृत्यु भोज या श्रद्धांजलि को बनाएं वैचारिक क्रांति का माध्यम- अतर सिंह भारतीय

सामाजिक कार्यकर्ता -अतर सिंह भारतीय, मप्र

मृत्यु भोज का प्रारंभिक काल क्या है? इतिहास में इसकी कोई सटीक जानकारी नहीं है। हालांकि कुछ किताबों में लिखा हुआ है कि मृत्यु भोज आत्मा की शांति के लिए किया जाता है। लेकिन ये बातें कपोल कल्पना ही हैं। सच्चाई यह है कि जब किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है तो उसका परिवार नकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। तब समाज इकठ्ठा होकर उसके कुटुंब, परिवार को सकारात्मक ऊर्जा, हिम्मत, सहयोग देने व इस दु:ख भरी विषम परिस्थिति में साहस प्रदान करती है। जिससे कि पीढ़ित परिवार अपने आप को अकेला व कमजोर न समझें जोकि जरूर है। मृत्यु भोज एक ऐसी प्रथा है जिसमें कई लोग अत्यधिक क़र्ज़ लेते हैं और मृत्यु भोज करवाते हैं। लेकिन यह कोई प्राकृतिक व्यवस्था नहीं है। इसलिए यह प्रथा अनिवार्य नहीं होना चाहिए बल्कि पीड़ित परिवार की क्षमतानुसार स्वैच्छिक होना चाहिए।

वर्तमान में भी मृत्यु भोज बंद होने के बजाय रूप बदल रही है। इसका रूप समाज में आर्थिक और मानसिक रूप से ऊंच-नीच का भाव पैदा कर रही है। आर्थिक रूप से संपन्न लोग इसे बड़े-बड़े होटल, मैरिज गार्डन या अन्य महंगे प्रतिष्ठानों में बड़े व्यापक रूप से स्वरुचि भोज के माध्यम से आयोजित कर रहे हैं और नाम श्रद्धांजलि का देते हैं जिसमें लाखों रुपए खर्च होते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ लोग बिना मृत्यु भोज के सिर्फ़ श्रंद्धाजलि का कार्यक्रम करते हैं लेकिन महंगे होटलों या विवाह गार्डन में करते हैं। जिसका खर्चा इतना अधिक हो जाता है कि जितना गांवों के आंगन में मृत्यु भोज में भी नहीं होता है। अब मृत्यु भोज को सिर्फ़ इसलिए बंद करना चाहिए कि इससे समाज में आर्थिक कमज़ोरी आती है तो इस विचार से मैं व्यक्तिगत रूप से आंशिक सहमत हूं, पूर्णत: नहीं। क्योंकि जो लोग मृत्यु भोज को बंद करने का आह्वान कर रहे हैं उनके निजी श्रद्धांजलि कार्यक्रम तो गांवों के मृत्यु भोज से भी महंगे होते हैं। मेरे व्यक्तिगत मतानुसार समाज को उस सड़ी- गली व्यवस्था से बाहर निकलने की आवश्यकता है जो धार्मिक रूप से इंसान को इंसान के साथ जातीय आधार पर छुआछूत, हिंसा, अन्याय, शोषण, अत्याचार, आर्थिक बहिष्कार, सामाजिक बहिष्कार, राजनैतिक बहिष्कार, धार्मिक बहिष्कार और भेदभाव करती है। यह व्यवस्था ही हमारे समाज को मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक रूप से भीतर तथा बाहर से कमजोर करती है साथ ही समाज का स्वाभिमान खत्म होता है। मृत्यु भोज पर समाज को यथाशक्ति अपने कुटुंब, परिवार और रिश्तेदारों को भोजन करवाना गलत नहीं है बल्कि इससे समाज में रोटी - बेटी का व्यवहार व भाईचारा मजबूत होती है। लेकिन इस भोज्य व्यवस्था के साथ में विचार संगोष्ठी जरूर जारी रखना चाहिए। मनुवादी, ब्राम्हणवादी, पाखंडवादी कर्मकांडो का त्याग करना चाहिए। इस सड़ी-गली व्यवस्था का पूरी तरह से बहिष्कार करना चाहिए जो कि समाज में ऊंच-नीच का भाव पैदा करती है और गुलाम बनाने में कामयाब होती है। यानी समाज को अनावश्यक खर्च करने से बचना चाहिए। अत: इस व्यवस्था को त्यागना ही उचित होगा।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ताओं ने की अखिलेश यादव से मुलाकात, संगठन विस्तार को लेकर हुई चर्चा।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री, वर्तमान सांसद श्री अखिलेश यादव जी से समाजवादी अधिवक्ता सभा, मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट अनिकेत दीपांकर ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी को मजबूत करने एवं अधिवक्ता सभा के संगठनात्मक विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। एड. दीपांकर ने बताया कि यह मुलाकात बेहद सकारात्मक रही और माननीय राष्ट्रीय

अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी ने मध्यप्रदेश में पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही अधिवक्ता सभा की भूमिका को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान अधिवक्ताओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने, युवाओं को मंच देने और न्यायिक मुद्दों पर समाजवादी दृष्टिकोण से सक्रिय भूमिका निभाने पर भी जोर दिया गया।

राष्ट्रीय सचिव सूफियाना कुरैशी जी

समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल पहलवान जी समाजवादी अधिवक्ता सभा प्रदेश अध्यक्ष एड. अनिकेत दीपांकर उपस्थित रहे।

छात्रों के धरना प्रदर्शन के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं

आदिम जाति कल्याण विभाग में भारी भ्रष्टाचार- महाराज सिंह राजोरिया

ग्वालियर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश संयोजक एवं दलित आदिवासी महा पंचायत के क्रांति कार्यवाहक अध्यक्ष तथा नगर पालिका परिषद डबरा के पूर्व अध्यक्ष महाराज सिंह राजोरिया ने पत्रकारों को बताया ग्वालियर शहर में अनुसूचित वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिये आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा चलाये जा रहे ज्ञानोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा आज कलेक्ट्रेट पर अपनी माँगो को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन कर रहे छात्रो द्वारा बताया जा रहा था कि उन्हें शासन से मिलने वाली सुविधायें विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य एंव अधीक्षकों द्वारा नही दी जा रही है। न तो छात्रावासो में साफ सफाई है और न ही अच्छा खाना दिया जा रहा हैं खाने में कीडे निकलते है। चादर गददा भी नही किये गये है। पंखे ट्यूबलाइट खराब है ठीक नही करवाये जा रहे है। डी सी साहब भी कुछ नही कर रहे है। धरना प्रदर्शन के दौरान एक छात्र बेहोश हो गया उसे 108 एम्बूलेन्स से अस्पताल ले जाया गया। सवाल ये है कि अधिकारियों द्वारा समस्याओं का समाधान क्यो नही किया जा रहा छात्र-छात्राओं को पढाई छोड धरना प्रदर्शन किस लिये करना पड रहा हैं, वास्तविकता क्या। इसकी पडताल जरूरी है। धरना प्रदर्शन के समय कलेक्ट्रेट में ज्ञानोदय विद्यालय के कुछ शिक्षक कर्मचारी भी मौजूद थे और कुछ बाहरी व्यक्ति भी, पडताल में पता लगा है कि इसी विभाग के कुछ लोग धरना प्रदर्शन को हवा दे रहे है। इसका मास्टर माईन्ड विभाग एक बाबू बताया जा रहा है। आदिम जाति कल्याण विभाग के एक रिटायर्ड कर्मचारी द्वारा अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया हैं कि पूरा मामला एक षडयन्त्र है। जिसमे एक भ्रष्ट व्याख्याता / फर्जी प्राचार्य, जिसके विरुद्ध ई ओ डब्लू में आर्थिक अपराध का प्रकरण चल रहा है उसको सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग ग्वालियर का प्रभार दिलाए जाने के लिए, जिला संयोजक, आदिम जाति कल्याण विभाग आदिम जाति कल्याण भिण्ड भिण्ड के प्रभार से मुक्त किये जाने और डी सी ग्वालियर का प्रभार दिलाए जाने के लिये हुई 20 लाख की डील हुई है जिसमें एक विभागीय अधिकारी, जिसके विरुद्ध लोकायुक्त में पद के दुरुपयोग का प्रकरण चल रहा हैं और विभाग में फर्जी नियुक्त प्राप्त बाबू, जिस के विरूद्ध विभागीय जांच में आरोप सिद्ध होने पर भी चेतावनी देकर बरी किया गया है, जिसके द्वारा आदिम जाति कल्याण विभाग में वसूली एंव अधिक्षिकाओं का शोषण किया जा रहा है, शामिल बताए गए है कलेक्टर के अनुमोदन से मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्वालियर से सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग ग्वालियर के प्रभार का आदेश जारी करवाया गया तथा जिला संयोजक, आदिम जाति कल्याण भिण्ड के प्रभार से भार मुक्त किये जाने का आदेश कलेक्टर भिण्ड से जारी करवाया गया है। इसमें संभाग के एक बडे अधिकारी का आर्शीवाद प्राप्त होना भी बताया जा रहा है। भ्रष्टाचार का मठाधीश श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा मूल पद व्याख्याता (फर्जी तरीके से हाई स्कूल प्राचार्य) परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर में प्राध्यापक के पद पर अभी पदस्थ है, के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को गुमराह करके परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर का प्रभार प्राप्त किया गया फिर जिला संयोजक, आदिम जाति कल्याण, भिण्ड का प्रभार प्राप्त कर लिया और अब सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ग्वालियर का प्रभार प्राप्त कर लिया गया है और शीघ्र ही उपायुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग ग्वालियर का भी प्रभार प्राप्त करने वाला है। यह पूरे विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बात की तहकीकात में पता चला हैं कि इस पूरे मामले का मास्टरमाइन्ड फर्जी नियुक्त प्राप्त शुक्ला बाबू है जो ग्वालियर एंव चंबल संभाग में आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों को अपने इशारे पर चलाता है। दोनों संभाग के जिलों में आदिम जाति कल्याण विभाग की संस्थाओं से वसूली करता है। वसूली का ऑकडा बेहद चौकाने वाला है। लगभग 300 छात्रावासो से प्रति छात्रावास प्रति वर्ष पचास हजार (दो किस्तों में पच्चीस पच्चीस हजार प्रथम किश्त अगस्त माह में एंव द्वितीय किश्त नवम्बर माह में) अर्थात 150 लाख 7 आवासीय विद्यालयों से प्रति माह पचास हजार अर्थात 35 लाख एंव शिकायते, अधीक्षिकों के प्रभार / पदस्थापनाये आदि से लगभग 70 लाख प्रति वर्ष इस प्रकार फर्जी नियुक्त प्राप्त महेश शुक्ला बाबू की भृष्टाचार से आय लगभग दो करोड प्रति वर्ष होने की खुफिया जानकारी मिली है। यह भी पता चला है कि ग्वालियर एंव चंबल संभाग में आदिम जाति कल्याण विभाग का कोई भी अधिकारी जो भी महेश शुक्ला बाबू के इशारे पर नही चलता है। उसके खिलाफ महेश शुक्ला बाबू शिकायतें करवाकर पद से हटवा देता है। बताया जा रहा है कि महेश शुक्ला बाबू बडे बडे अधिकारियों और नेताओं को अपने वश में कर लेता है। ऐसा कैसे हो सकता है, इसकी पडताल में पता लगा है कि महेश शुक्ला द्वारा ग्वालियर एंव चंबल संभाग के जिलों में छात्रावासों से प्रतिमाह अवैध वसूली के साथ साथ छात्रावासों की अधीक्षकाओं का शारीरिक शोषण भी किया जाता है, जिसके बल पर ही महेश शुक्ला बाबू बडे बडे अधिकारियों और नेताओं को अपने वश में कर लेता है। इस अनैतिक कारोबार की प्रशासन को खबर न हों, ऐसा संभव नही लगता है। क्योकि महेश शुक्ला बाबू के विरुद्ध बहुत सारी शिकायतें हुई है पर प्रशासन उसके विरूद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं कर सका। महेश शुक्ला बाबू की नियुक्ति फर्जी है। क्योकि उसके बाप द्वारा ही उसे अवैध तरीके से नियुक्ति दी गई है, महेश शुक्ला बाबू के विरूद्ध हुई विभागीय जांच में आरोप सिद्ध पाये जाने पर भी उसे चेतावनी देकर बरी किया गया है, उसके द्वारा सरे आम आदिम जाति कल्याण विभाग में वसूली की जाती है एंव अधिक्षिकाओं का शोषण लगातार किया जाता है, शुक्ला बाबू द्वारा डील के मुताबिक पैदायसी भ्रष्टाचारी श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा को सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग ग्वालियर का प्रभार दिलाने एंव जिला संयोजक, आदिम जाति कल्याण भिण्ड के प्रभार से मुक्त कराने का टास्क पूरा हो चुका है अब उपायुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग ग्वालियर का भी प्रभार दिलाए जाने के लिये, प्लान के मुताबिक पहले वर्तमान प्रभारी उपायुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग ग्वालियर संजय खेडकर को हटवाने की योजना बनाई गई है जिसमें ज्ञानोदय विद्यालय को केन्द्र बिन्दु बनाया गया है। इसमें महेश शुक्ला बाबू के अतिरिक्त राजेन्द्र कुमार शर्मा की भूमिका बतायी जा रही है। बताया जा रहा है कि राजेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा ज्ञानोदय विद्यालय में प्रभारी प्राचार्य रहते हुए वर्ष 2012 तक भारी भ्रष्टाचार किया गया जिसमें महेश शुक्ला सहायक ग्रेड 2 की भूमिका रही थी भारी भ्रष्टाचार के कारण ही इस संबध में राजेन्द्र कुमार शर्मा के विरुद्ध ई ओ डब्लू में आर्थिक अपराध का प्रकरण क्रमांक आर 1898/2012 चल रहा है। वर्तमान में परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर में प्रभारी प्राचार्य का पद हथिया कर भ्रष्टाचार कर रहा हैं, ग्वालियर संभागीय मुख्यालय पर कागजों में संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र का प्रभारी प्राचार्य राजेन्द्र कुमार शर्मा जो शासकीय धन राशि का भक्षण कर रहा है। क्योकि इस केन्द्र में फर्जी प्रशिक्षण चलता है। अतिथि विद्वानों से 50-50 मानदेय का सौदा है। बताया जा रहा हैं इस केन्द्र से आज तक किसी का भी किसी प्रतियोगिता में चयन नही हुआ है, केन्द्र का परिणाम दिखाने के लिये अन्य कोचिंग के सफल प्रतियोगियों को 20-25 हजार में राजेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा खरीदा जाता है। यह भी बताया जा रहा हैं राजेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा जिला संयोजक, आदिम जाति कल्याण, भिण्ड के प्रभारी रहते हुये भी भारी भ्रष्टाचार किया गया जिसमें राजेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा अशासकीय अनुदान प्राप्त संस्थाओं के कर्मचारियों के छठवे वेतनमान के एरियर राशि रूपये आठ करोड के भुगतान के एवज में 80 लाख रूपये की रिश्वत शुक्ला बाबू के द्वारा ली गई है तथा छात्रावासों से अवैध वसूली की गई है। वर्तमान में आदिम जाति कल्याण विभाग ग्वालियर में सहायक आयुक्त का प्रभार हथिया कर भ्रष्टाचार कर रहा हैं, ग्वालियर में प्रभारी सहायक आय राजेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा अधीक्षकों से 25 प्रतिशत कमीशन वसूला जा रहा है।

भवदीय,
महाराज सिंह राजोरिया
प्रदेश संयोजक
मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग एवं पूर्व प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष दलित आदिवासी महापंचायत तथा पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद डबरा

इस प्रकार के भृष्टाचार की प्रशासन को खबर न हों, ऐसा संभव नही लगता है। क्योकि भ्रष्टाचार के मठाधीश राजेन्द्र कुमार शर्मा एंव शुक्ला बाबू के विरुद्ध बहुत सारी शिकायतें हुई है पर प्रशासन उसके विरूद्ध कोई भी कार्यवाही नही कर सका, उल्टे राजेन्द्र कुमार शर्मा को प्रशासनिक पदो का प्रभार पर प्रभार वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिया जा रहा है। और शुक्ला बाबू द्वारा छात्रावासों से प्रतिमाह अवैध वसूली के साथ साथ छात्रावासों की अधीक्षकाओं का शारीरिक शोषण भी किया जा रहा है। अनुसूचित वर्ग के छात्र-छात्राओं की चिंता किसी को नही, वे तो केवल शतरंज एक मोहरा है। दबी जुबान में प्रशासन की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही हैं। क्या सच सामने आयेगा। महाराज सिंह राजोरिया ने आज पत्रकारों को बताया कि जब तक अधिकारी कर्मचारियों को जो इसमें लिप्त हैं जो तथ्य मैंने रखे हैं उनके उच्च स्तरीय जांच तभी संभव है तब इनको वर्तमान पदों से हटाया जाए या निलंबित किया जाए उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर समूची प्रकरण की जांच कराई जाए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)